>

Title: Need to seal the accounts allegedly opened by the terrorists in various private and public sector banks in the country.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हमारे अर्थ मंत्रालय और गृह मंत्रालय को बताना चाहता हूं कि हमारे सिस्टम की कमजोरियों का फायदा कैसे उठाया जाता है। देश में जो आतंकवादी घुसे हैं, आतंकवादियों ने लगभग चार सौ खाते अलग-अलग नेशनलाइज्ड बैंकों में खोले हैं और इन चार सौ खातों को खोलने के बाद उनका पैसों का ट्रान्जैक्शन चल रहा है। अभी हाल ही में मुम्बई में आतंकी घटना हुई है और देश में आतंकवादियों के जहां हमले हुए हैं, उन्हें कौन-कौन, कहां से पैसा देते हैं और वह पैसा कहां से आता है। इन लोगों ने चार सौ अलग-अलग नामों से खाते खोले हैं और इस तरह से उनका सारा पैसा इकट्ठा हो रहा है। इन्हें पैसा कौन देता है। जब हम लोग बैंक में खाता खोलते हैं तो किसी न किसी की वहां गारंटी होती है। वह गारंटी इन खातों में भी होनी चाहिए। इन खातों में वहां किनकी गारंटी है...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: There is too much noise in the House. There are too many private conversations in the House. I would not allow this. I think too much liberty is being taken.

...(*Interruptions*)

* Not recorded

श्री चंद्रकांत खैरे : इसका इन्वेस्टीगेशन होना चाहिए।

मैं आपके माध्यम से सरकार को आगाह करता हूं कि ऐसे सभी खातों की इंक्वायरी हो, उनके जमानती की इंक्वायरी हो और उनके सारे खाते सील होने चाहिए। जब आर.बी.आई. ने सब बैंकों को डायरेक्शंस दी हैं तो अभी तक इन बैंकों ने कोई एक्शन नहीं लिया है और जिसके कारण आतंकवादियों को पैसा मिलता है और उस पैसे के मिलने के कारण आतंकवादी सारी वारदातें कर रहे हैं। यह बहुत गम्भीर मामला है।

अध्यक्ष महोदय : सिर्फ अटैन्शन अट्रैक्ट करने के लिए समय दिया जाता है।

श्री चंद्रकांत खैरे : यह बहुत ही गम्भीर मामला है।

MR. SPEAKER: Shri Khaire, you cannot take five minutes for each matter.

...(*Interruptions*)

श्री चंद्रकांत खैरे : यह बड़ा गम्भीर मामला होने के कारण इसके ऊपर कार्रवाई होनी चाहिए और सरकार को इसे बहुत गम्भीरता से लेना चाहिए और इस पर तुंत कार्रवाई होनी चाहिए।